Nai Dunia (Indore), 12th January 2022, Page-2

कोरोना को लेकर आइआइटी में दो वर्ष में सबसे ज्यादा कार्य

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। आइआइटी इंदौर के नए निदेशक की घोषणा होने के बाद संस्थान के कार्यवाहक निदेशक प्रो. नीलेश कुमार जैन ने दो वर्ष में संस्थान द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी साझा की। प्रो. जैन के कार्यकाल में कोरोना को लेकर कई काम हुए। संस्थान ने पहली लहर में स्थानीय प्रशासन को आरटीपीसीआर मशीन प्रदान की थी।

संस्थान में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाया और सिमरोल थाना विकसित किया गया। संक्रमण से सुरक्षा के लिए संस्थान ने यूवी कीटाणुशोधन सुविधा प्रदान की। शास्त्रीय वैज्ञानिक ग्रंथों को उनके मूल रूप में अध्ययन करने और संस्कृत में उनके बारे में बातचीत करने के लिए कोर्स आयोजित किए। दो वर्ष में चार नए कोर्स शुरू किए। इनमें अंतरिक्ष इंजीनियरिंग व इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी में एमटेक कोर्स शामिल हैं। संस्थान ने आइआइएम इंदौर के साथ मिलकर डाटा साइंस एंड मैनेजमेंट संयुक्त एमएस कोर्स शुरू किया।

पर्सेंटाइल में सुधार

इस बार आइआइटी इंदौर में जाइंट एंट्रेंस एक्जामिनेशन (जेईई) में बेहतर अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। 2019 में 640 पर्सेंटाइल पर पहला प्रवेश हुआ था। 2021 में 505 रैंक वालों ने भी संस्थान को चुना। काउंसलिंग में क्लोजिंग रैंक के मामले में देश के सभी आइआइटी में छठे स्थान पर रहा। दो वर्ष में 14 अंतरराष्ट्रीय और 17 राष्ट्रीय समझौते किए। कार्यवाहक निदेशक प्रो. जैन का कहना है कि ऊर्जा, जल और जलवायु जैसे विषयों पर भी संस्थान ने काफी काम किया है। संस्थान आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, मशीन लर्निंग और डाटा साइंस के क्षेत्र में भी काम कर रहा है।